हाईस्कूल परीक्षा, 2013

हिन्दी–केवल प्रश्नपत्र

समय : 3 घण्टे, 15 मिनट] 801 (DI) [पूर्णांक : 70

निर्देश : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

1. (क) निम्नलिखित कथनों में से कोई **एक** कथन सही है, उसे पहचानकर लिखिए : 1

(i) हजारी प्रसाद द्विवेदी प्रसिद्ध रिपोर्ताज-लेखक हैं। (ii) प्रभाकर माचवे ख्याति प्राप्त डायरी लेखक हैं। (iii) राहुल सांकृत्यायन प्रसिद्ध यात्रा-साहित्यकार हैं। (iv) लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय उपन्यासकार के रूप में विख्यात हैं।

(ख) निम्नलिखित कृतियों में से किसी **एक** के लेखक का नाम लिखिए। 1

(i) 'इन्द्रजाल' (ii) 'तीर्थ सलिल' (iii) 'विचार वीथि' (iv) 'संस्कृति के चार अध्याय'।

(ग) किसी **एक** एकांकीकार का नाम लिखिए। 1

(घ) डॉ० भगवतशरण उपाध्याय की किसी एक रचना का नाम लिखिए। 1

(ङ) डॉ०नगेन्द्र किस गद्य-विधा के लेखक हैं ? 1

2. (क) घनानन्द और भूषण रीतिकाल के किस धारा के कवि हैं ? 2

(ख) प्रगतिवादी काव्यधारा के दो प्रमुख कवियों के नाम लिखिए। 2

(ग) 'चिदम्बरा' के रचयिता का नाम लिखिए। 1

3. निम्नांकित गद्यांशों में से किसी **एक** के नीचे दिये प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2 + 2 + 2 = 6

(क) चन्द्रतल पर मानव के पाँव के निशानपग, उसके द्वारा वैज्ञानिक तथा तकनीकी क्षेत्र में की गई असाधारण प्रगति के प्रतीक हैं। जिस क्षण डगमग-डगमग करते मानव के पग उस धूल-धूसरित अनछुई सतह पर पड़े तो मानो वह हजारों लाखों साल से पालित-पोषित सैकड़ों अन्धविश्वासों-कल्पनाओं पर पद प्रहार ही हुआ। कवियों की कल्पना के सलोने चाँद को वैज्ञानिकों ने बदसूरत और जीवनहीन करार दे दिया -भला अब चन्द्रमुखी कहलाना किसे रुचिकर लगेगा।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए। (ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए। (iii) चन्द्रतल पर मानव के पाँव के निशान किसके प्रतीक हैं ?

(ख) दूसरी बात, जो इस सम्बन्ध में विचारणीय है, वह यह है कि संस्कृति अथवा सामूहिक चेतना ही हमारे देश का प्राण है। इसी नैतिक चेतना के सूत्र से हमारे नगर और ग्राम, हमारे प्रदेश और सम्प्रदाय, हमारे विभिन्न वर्ग और जातियाँ आपस में बँधी हुई हैं, जहाँ उनमें और सब तरह की विभिन्नताएँ हैं, वहाँ उन सबमें यह एकता है। इसी बात को ठीक तरह से पहचान लेने से बापू ने जनसाधारण को बुद्धिजीवियों के नेतृत्व में क्रान्ति करने के लिए तत्पर करने के लिए इसी नैतिक चेतना का सहारा लिया था। अहिंसा, सेवा और त्याग की बातों से जनसाधारण का हृदय इसीलिए आन्दोलित हो उठा, क्योंकि उन्हीं से तो वह शताब्दियों से प्रभावित और प्रेरित रहा।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए। (ii) गद्यांश के रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए। (ii) जनसाधारण किन बातों से आन्दोलित हो उठा ?

4. निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी **एक** की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए तथा काव्य सौन्दर्य भी लिखिए : 1+4+1=6

(क) ऊधौ मन न भये दस बीस।
एक हुतौ सो गयौ स्याम सँग, को अवराधै ईस।।
इंद्री सिथिल भई केसव बिनु, ज्यौं देही बिनु सीस।।
आसा लागि रहित तन स्वासा, जीवहिं कोटि बरीस।
तुम तौ सखा स्याम सुन्दर के, सकल जोग के ईस।
सूर हमारैं नन्द-नंदन बिनु, और नहीं जगदीस।।

(ख) विश्व है कि असि का ?
नहीं संकल्प का है !
हर प्रलय का कोण,
कायाकल्प का है,
फूल गिरते, शूल
शिर ऊँचा लिये हैं;
रसों के अभिमान
को नीरस किये हैं।
खून हो जाये न तेरा देख पानी
मरण का त्यौहार, जीवन की जवानी।

5. (क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी **एक** लेखक का जीवन-परिचय दीजिए और उसकी एक रचना का नाम लिखिए– 2+1=3

(i) जय प्रकाश भारती (ii) डॉ० राजेन्द्र प्रसाद (iii) पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी।

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी **एक** कवि का जीवन-परिचय दीजिए एवं उसकी **एक** रचना का नाम लिखिए– 2+1=3

(i) रसखान (ii) सुमित्रानन्दन पन्त (iii) रामनरेश त्रिपाठी।

6. निम्नलिखित का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए।– 1+3=4

पूर्वं कर्म, तदनन्तरं फलम् इति। अस्माकं संस्कृतेः नियमः। इदानीं यदा वयं राष्ट्रस्य नवनिर्माणे संलग्नाः स्मः निरन्तरम् कर्मकरणम् अस्माकं मुख्यं कर्त्तव्यम्। निजस्य श्रमस्य फलं भोग्यं, अन्यस्य श्रमस्य शोषणं सर्वथा वर्जनीयम् यदि वयं विपरीतम् आचारामः तदा न वयं सत्यं भारतीय-संस्कृतेः उपासकाः। वयं तदैव यथार्थं भारतीया यदास्माकम् आचारे-विचारे च अस्माकं संस्कृतिः लक्षिता भवेत्।

अथवा

नीर-क्षीर-विवेके हंसालस्यं त्वमेव तनुषे चेत्।
विश्वस्मिन्नधुनान्यः कुलव्रतं पालयिष्यति कः।।
कोकिल ! यापय दिवसान् तावन् विरसान् करीलविटपेषु।
यावन्मिलदलिमालः कोयपि रसातः समुल्लसति।।

7. (क) अपनी पाठ्यपुस्तक से कण्ठस्थ किया गया कोई **एक** श्लोक लिखिए जो इस प्रश्न-पत्र में न आया हो। 2

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए– 1+1=2

(i) स्वर्णस्य किं मुख्यं दुःखम् अस्ति ? (ii) अलक्षेन्द्रः कः आसीत् ? (iii) कलहः केन वर्धते ? (iv) धनानाम् उत्तमं धनं किम् अस्ति ?

8. (क) 'हास्य' रस की परिभाषा लिखिए तथा उसका उदाहरण दीजिए।

अथवा

मम अनुज पड़ा है चेतनाहीन होके,
तरल हृदय वाली जानकी भी नहीं है।
उपर्युक्त पद्यांश में प्रयुक्त रस का नाम तथा स्थायी भाव लिखिए।

(ख) उपमा अथवा उत्प्रेक्षा अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। 2

(ग) सोरठा छन्द की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। 2

9. (क) निम्नलिखित उपसर्गों में से किन्हीं तीन के मेल से एक-एक शब्द बनाइए– 1+1+1=3

(i) अधि (ii) अनु (iii) सह (iv) निर् (v) अभि (vi) चरि (vii) सु।

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रत्ययों का प्रयोग करके एक-एक शब्द बनाइए– 1+1=2

(i) आई (ii) त्व (iii) पन (iv) वा (v) हट।

(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** में समास-विग्रह कीजिए तथा समास का नाम लिखिए– 2

(i) चौराहा (ii) अन्न-जल (iii) चक्रपाणि (iv) नीलकमल।

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** के तत्सम रूप लिखिए– 2

(i) बेल (ii) सुहाग (iii) मूस (iv) पीठ (v) थल।

(ङ) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए– 2

(i) समुद्र (ii) चन्द्रमा (iii) कमल (iv) पृथ्वी।

10. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** में सन्धि कीजिए तथा सन्धि का नाम लिखिए– 2

(i) तदा + एव (ii) महा + ओजः (iii) प्रति + एकम् (iv) सु + आगतम्।

(ख) निम्नलिखित शब्दों के रूप सप्तमी विभक्ति बहुवचन में लिखिए– 1+1=2

(i) फल **अथवा** भाँति। (ii) मधु **अथवा** युष्मद्।

(ग) निम्नलिखित में से किसी **एक** की धातु, लकार, पुरुष तथा वचन का उल्लेख कीजिए–

(i) पठानि (ii) हसेम् (ii) अपश्यत् (iv) पक्ष्यतः।

(घ) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं **दो** का संस्कृत में अनुवाद कीजिए : 3

(i) अपने राष्ट्र की रक्षा करना हमारा धर्म है। (ii) सभी छात्र पत्र लिखेंगे। (iii) दान से कीर्ति बढ़ती है। (iv) सोहन के साथ मोहन घर गया।

11. निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** विषय पर निबन्ध लिखिए– 6

(i) प्रिय कवि (ii) प्रदूषण की समस्या और समाधान (iii) दूरसंचार की उपयोगिता
(iv) विद्यार्थी और अनुशासन (v) स्वास्थ्य शिक्षा की अनिवार्यता।

12. अपने पठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी **एक** का उत्तर लिखिए– 2

(क) (i) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के षष्ठ सर्ग की कथा अपने शब्दों में लिखिए।

(ii) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के आधार पर राम का चरित्रांकन कीजिए।

(ख) (i) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के प्रथम सर्ग की कथा अपने शब्दों में लिखिए।

(ii) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के आधार पर 'आजाद' के चरित्र की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(ग) (i) 'कर्ण' खण्डकाव्य के पंचम सर्ग की कथा अपने शब्दों में लिखिए।

(ii) 'कर्ण' खण्डकाव्य के आधार पर कर्ण का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(घ) (i) 'तुमुल' खण्डकाव्य के आधार पर ''लक्ष्मण-मेघनाद युद्ध तथा लक्ष्मण की मूर्च्छा'' शीर्षक की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए।

(ii) 'तुमुल' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(ङ) (i) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग की कथा अपने शब्दो में लिखिए।

(ii) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के आधार पर 'देशबन्धु चितरंजन दास' के चरित्र की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(च) (i) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

(ii) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य के आधार पर 'पं० जवाहरलाल नेहरू' का चरित्रांकन कीजिए।

(छ) (i) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के 'अग्रपूजा' शीर्षक की कथा अपने शब्दों में लिखिए।

(ii) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के आधार पर युधिष्ठिर के चरित्र की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(ज) (i) 'मुक्ति-दूत' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग की कथा अपने शब्दों में लिखिए।

(ii) 'मुक्ति-दूत' खण्डकाव्य के आधार पर 'महात्मा गाँधी' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(झ) (i) 'मेवाड़-मुकुट' खण्डकाव्य का कथासार प्रस्तुत कीजिए।

(ii) 'मेवाड़-मुकुट' खण्डकाव्य के प्रमुख पात्र की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।